संख्याः 2–261 / 2024–हि0प्र0वि0वि0(सा0)
हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय
"सामान्य प्रशासन शाखा"

प्रेषित,

विश्वविद्यालय कोर्ट के
सभी सम्माननीय सदस्य

दिनांकः शिमला–5, 16 JUN 2025

विषयः– विश्वविद्यालय कोर्ट की 35वीं बैठक की कार्यवाही।

महोदय / महोदया,

विश्वविद्यालय कोर्ट की 35वीं बैठक (वर्ष–2024) जो दिनांक 06–03–2025 को 11:30 बजे पूर्वाहन् विश्वविद्यालय के समिति कक्ष में सम्पन्न हुई, की कार्यवाही आपके अवलोकन एवं पुष्टिकरण हेतु प्रेषित है।

भवदीय,

कुलसचिव
सचिव– विश्वविद्यालय कोर्ट

पृष्ठांकन संख्याः सम । दिनांकः 16 JUN 2025

प्रतिलिपि कार्यवाही की प्रति सहित प्रेषित हैः–

1. सचिव, कुलाधिपति महोदय एवं माननीय राज्यपाल, हि०प्र० राज भवन, शिमला।
2. अधिष्ठाता अध्ययन / छात्र कल्याण / मुख्य छात्रपाल / निदेशक, अन्तर्राष्ट्रीय दूरवर्ती शिक्षा एवं मुक्त अध्ययन केन्द्र / वित्त अधिकारी / परीक्षा नियंत्रक / अतिरिक्त परीक्षा नियंत्रक / प्रभारी–पुस्तकालय, हि०प्र०वि०, शिमला–5
3. समस्त संकायों के अधिष्ठाता / समस्त अध्ययन विभागों के विभागाध्यक्ष / निदेशक, हि०प्र०वि०, शिमला–5
4. संयुक्त परीक्षक, स्थानीय लेखा विभाग / उप–कुलसचिव (स्था०), हि०प्र०वि०, शिमला–5
5. प्राचार्य, हि०प्र०वि०, सांध्यकालीन अध्ययन विभाग, शिमला–1
6. प्रभारी, वैब–साईट, हि०प्र०वि०, शिमला–5 को उपरोक्त कार्यवाही को विश्वविद्यालय वैब–साईट पर अपलोड करने हेतु प्रेषित है।
7. विशेष–निजी सचिव, कुलपति / सहायक कुलसचिव (कुलपति कार्यालय), हि०प्र०वि०, शिमला–5
8. निजी सचिव, प्रति–कुलपति, हि०प्र०वि०, शिमला–5
9. रक्षक मिसिल।

कुलसचिव
सचिव– विश्वविद्यालय कोर्ट

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय
ज्ञान-पथ, समरहिल, शिमला-171 005
सामान्य प्रशासन शाखा

विश्वविद्यालय कोर्ट की दिनांक 06-03-2025 को आयोजित की गई बैठक की कार्यवाही

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय कोर्ट की 35वीं बैठक दिनांक 06-03-2025 को पूर्वाह्न 11:30 बजे श्री शिव प्रताप शुक्ल, माननीय राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश एवं कुलाधिपति, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के समिति कक्ष में आयोजित की गई। इस बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए :-

1. आचार्य सत प्रकाश बंसल, माननीय कुलपति, हि.प.वि.वि., शिमला।
2. आचार्य राजेन्द्र वर्मा, माननीय प्रति-कुलपति, हि.प्र.वि.वि., शिमला।
3. श्री केवल सिंह पठानिया, माननीय विधायक-विधान सभा, शाहपुर, हि.प्र.।
4. श्री सुरेश कुमार, माननीय विधायक-विधान सभा, भोरंज, हमीरपुर, हि.प्र.।
5. आचार्य देशराज ठाकुर, अधिष्ठाता, जीवन विज्ञान, हि.प.वि.वि., शिमला।
6. डॉ. सीता ठाकुर, अधिष्ठाता, चिकित्सा विज्ञान, IGMC, शिमला।
7. आचार्य मोहन झारटा (सेवा निवृत), राज्यपाल नामिति।
8. श्री पवन अग्रवाल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) प्रभात प्रकाशन, प्रभात प्रकाशन टॉवर, 4/19, आसफ अली रोड, नई दिल्ली।
9. डॉ. विद्या सागर शर्मा, संयुक्त निदेशक (नामिति) (उच्चत्तर शिक्षा), हि.प्र. सरकार, शिमला।
10. आचार्य जीत राम, अधिष्ठाता, प्रदर्शन और दृश्य कला संकाय एवं अध्यक्ष, योगा अध्ययन विभाग, हि.प्र.वि.वि., शिमला।
11. आचार्या अपर्णा नेगी, अधिष्ठाता, सामाजिक विज्ञान, हि.प्र.वि.वि., शिमला।
12. आचार्य बालकृष्ण शिवराम, अध्यक्ष, पुरातत्व और प्राचीन इतिहास विभाग, हि.प्र.वि.वि., शिमला।
13. डॉ. संदीप कुमार, अध्यक्ष, भोटी भाषा, हि.प्र.वि.वि., शिमला।
14. डॉ. आभा चौहान खिम्टा, सह-आचार्या, राजनीतिक शास्त्र विभाग, हि.प्र.वि.वि., शिमला।
15. डॉ. विकास सिंह, सह-आचार्य, राजनीतिक शास्त्र विभाग, हि.प्र.वि.वि., शिमला।
16. डॉ. राकेश कुमार, प्रधानाचार्य, रा. महाविद्यालय, बड़सर, हमीरपुर।
17. श्री अजायब सिंह, प्रधानाचार्य, रा. महाविद्यालय, सुजानपुर टिहरा, हमीरपुर।
18. डॉ. आरती वर्मा, प्रधानाचार्य, GCTE धर्मशाला, कांगडा।
19. डॉ. जनेश कपूर, प्रधानाचार्य, रा. महाविद्यालय, थामी, 16 मील, शिमला।
20. डॉ. हरप्रीत कौर, प्रधानाचार्य, रा. महाविद्यालय, दिग्गल, सोलन।
21. डॉ. अनील कुमार गौतम, प्रधानाचार्य, रा. महाविद्यालय, नदौन, हमीरपुर।
22. डॉ. प्रदीप सिंह तौमर, सहायक आचार्य (अर्थशास्त्र), रा. महाविद्यालय, पांवटा साहिब, सिरमौर।
23. डॉ. नीतिका गुप्ता, सहायक आचार्या (रसायन विज्ञान), रा. महाविद्यालय, कोटशेरा, शिमला।
24. श्री सुनील दत्त, उप कुलसचिव (स्थापना), सदस्य कार्यकारिणी परिषद्, हि.प्र.वि.वि., शिमला।
25. श्री सुरेश कुमार वर्मा, सदस्य विश्वविद्यालय कोर्ट, हि.प्र.वि.वि., शिमला।

26. डॉ. विरेन्द्र शर्मा, हि.प्र.से., (सचिव, विश्वविद्यालय कोर्ट), कुलसचिव, हि0प्र0वि0वि0, शिमला।

कुलपति महोदय का स्वागत भाषण

विश्वविद्यालय कोर्ट की 35वीं नियमित बैठक में मैं सभी सम्माननीय सदस्यों का स्वागत एवं अभिनन्दन करता हूँ।

सर्वप्रथम मैं सभी सदस्यों को सूचित करना चाहता हूं कि गत वर्ष दिनांक 15-16 जून, 2024 को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की एल्युमनी ऐसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित नब्बे के दशक के पूर्व छात्रों का सम्मेलन "मैत्री" विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित किया गया। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमन्त्री, श्री सुखविन्दर सिंह सुक्खू, मुख्य अतिथि के रूप में पधारे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में सर्वश्री सुन्दर सिंह ठाकुर, विधायक, सतपाल सिंह सत्ती, विधायक, सुरेश कुमार, विधायक, केवल सिंह पठानिया, विधायक, 90 के दशक के पूर्व छात्र संघ के अध्यक्ष आचार्य चन्द्र मोहन एवं आचार्या सिमी चैटर्जी के अतिरिक्त कई पूर्व विधायक, संकायों के अधिष्ठाता, केन्द्रों के निदेशक, विभागाध्यक्ष, कुलसचिव, प्राध्यापकवर्ग, गैर-शिक्षक कर्मचारीवर्ग एवम् विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मैं विश्वविद्यालय कोर्ट के नव नियुक्त सदस्यों अधिष्ठाता दृश्य एवं श्रव्य कला संकाय, अधिष्ठाता, भौतिक विज्ञान संकाय, अधिष्ठाता, समाज विज्ञान संकाय, आचार्या आरती वर्मा, प्राचार्य जीसीटीई धर्मशाला, कांगड़ा, डॉ.जानेश कपूर, प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय धामी, शिमला, डॉ.हरप्रीत कौर, प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय दीगल, सोलन, डॉ.अंजू आर. चौहान, प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय ढलियारा, कांगड़ा, डॉ.अनिल कुमार गौतम, प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय नादौन, हमीरपुर, डॉ.प्रदीप कुमार, प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय थुरल, कांगड़ा, श्री मोहिन्दर पाल, प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय बैजनाथ, कांगड़ा, डॉ.प्रदीप सिंह तोमर, सहायक आचार्य अर्थशास्त्र, राजकीय महाविद्यालय, पांवटा साहिब, सिरमौर, डॉ. नितिका गुप्ता, सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान, राजीव गांधी राजकीय महाविद्यालय कोटशेरा, चौड़ा मैदान, शिमला, आचार्य सत प्रकाश बंसल, व्यवसायिक अध्ययन संस्थान, एम.टी.ए., हि.प्र.वि.वि., अधिष्ठाता जीव विज्ञान संकाय, अधिष्ठाता चिकित्सा विज्ञान संकाय, डॉ.राकेश कुमार, प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय बड़सर, हमीरपुर, आचार्य महावीर सिंह, भौतिकी विज्ञान विभाग, आचार्य मोहन झारटा (सेवानिवृत्त) हि.प्र.वि.वि., श्री सुनील दत्त, उप-कुलसचिव, नवनिर्वाचित सदस्य कार्यकारिणी परिषद्, श्री सुरेश कुमार वर्मा, अधीक्षक ग्रेड-।। नवनिर्वाचित सदस्य विश्वविद्यालय कोर्ट का विश्वविद्यालय कोर्ट की बैठक में स्वागत एवं अभिनन्दन करता हूँ।

इसके साथ ही मैं विश्वविद्यालय कोर्ट के निःवर्तमान सदस्य रहे अधिष्ठाता विधि संकाय, अधिष्ठाता जीव विज्ञान संकाय, अधिष्ठाता चिकित्सा विज्ञान संकाय, डॉ अरूणा भारद्वाज, प्राचार्य, कोटला खुर्द, ऊना, श्रीमती नीना वासुदेवा, प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर, बिलासपुर, श्रीमती वंदना वैद्या, प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय दरंग, मण्डी, श्री सतेन्द्र कुमार शर्मा, प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय बंगाना, ऊना, श्रीमंती अनुपमा गर्ग, प्राचार्या, राजीव गांधी राजकीय महाविद्यालय, चौड़ा मैदान, शिमला, श्रीमती अंजू बाला शर्मा, प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय झण्डुता, बिलासपुर, श्री अश्वनी कुमार, प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय धनेटा, हमीरपुर, श्री राजेन्द्र के. शर्मा, प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय खड, ऊना, श्री संदीप गुप्ता, सहायक आचार्य, संगीत, राजकीय महाविद्यालय अर्की, सोलन, श्री गौरव शर्मा, सहायक आचार्य, गणित, राजकीय महाविद्यालय बिटन, ऊना, आचार्य अरविन्द कालिया, कम्प्यूटर विज्ञान विभाग, अधिष्ठाता भाषा संकाय, अधिष्ठाता पर्यावरण विकास एवं स्थिरता अध्ययन संकाय, श्री मंदीप शर्मा, प्राचार्य,

राजकीय महाविद्यालय हरिपुर गुलेर, कांगड़ा, आचार्य प्रशांत गौतम, पंजाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ़, आचार्य देव दत्त शर्मा, भूगोल विभाग, डॉ. बृज शर्मा, प्रोफेसर एवं मुख्य गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, आई.जी.एम.सी. शिमला, श्री गीता राम, अनुभाग अधिकारी, सदस्य कार्यकारिणी परिषद् एवं देवेन्द्र कुमार, सदस्य विश्वविद्यालय कोर्ट का विश्वविद्यालय कोर्ट की बैठक में निर्णय लेने व सुझाव देने हेतु उनका आभार एवं धन्यवाद करता हूँ।

इस अवधि के दौरान विश्वविद्यालय में निम्नलिखित कार्यक्रम, बैठकें, संगोष्ठियां और कार्यशालाऐं आयोजित की गईः-

❖ दिनांक 26 अक्तूबर, 2023 को यूजीसी द्वारा आयोजित पश्चिमी क्षेत्र के कुलपतियों के सम्मेलन में भाग लिया।

❖ दिनांक 30 अक्तूबर, 2023 को यूजीसी द्वारा आयोजित मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारम्भ में यूजीसी अध्यक्ष के साथ भाग लिया।

❖ दिनांक 9 नवम्बर, 2023 को विश्वविद्यालय प्रौद्योगिकी संस्थान (यूआईटी) द्वारा आयोजित सांस्कृतिक फैस्ट (उत्कर्ष-2023) के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

❖ दिनांक 9 नवम्बर, 2023 को विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल स्टडीज (पर्यटन) द्वारा "पर्यटन और इवेंट उद्योग में जोखिम और संकट प्रबंधन" विषय पर आयोजित एक विशेष व्याख्यान के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया व फ्रांस से आए पर्यटन विशेषज्ञ प्रतिनिधियों (France Delegation) के साथ पर्यटन समझौता व डायरेक्ट डिग्री कार्यक्रम (Direct Degree Programme) विषयों पर चर्चा की।

❖ Association of Indian Universities (AIU), New Delhi द्वारा हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के कुलपति को 377 Governing Council Meeting का सदस्य नियुक्त किया। कुलपति ने Tiwan AIU/MoE Delegations के साथ दिनांक 10 नवम्बर, 2023 को भारतीय विश्वविद्यालय संघ (ए.आई.यू.) की 377वीं शासकीय बैठक में ऑन-लाईन भाग लिया।

❖ दिनांक 10 नवम्बर, 2023 को यूजीसी द्वारा दिनांक 15 नवम्बर, 2023 से "फिट इंडिया सप्ताह" **(Fit India, Khelo India)** के आयोजन पर आयोजित बैठक में ऑनलाईन भाग लिया।

❖ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के कुलपति को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के कार्यान्वयन हेतू उत्तर क्षेत्र के सदस्य नियुक्ति किया है। दिनांक 22-23 नवम्बर, 2023 को पंजाब विश्वविद्यालय के विधि विभाग के सभागार में उत्तर क्षेत्रीय कुलपतियों की बैठक जो कि "राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020" के विषय पर आयोजित की गई में भाग लिया। उत्तर क्षेत्रीय कुलपतियों के सम्मेलन के एक सत्र में भारतीय ज्ञान परंपरा (इण्डियन नॉलेज़ सिस्टम) **(Indian Knowledge System)** में पेनेलिस्ट **(Panelist)** के रूप में भाग लिया।

❖ दिनांक 24 नवम्बर, 2023 को यूजीसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क के कार्यान्वयन व संचालन के लिए उच्च स्तरीय समिति द्वारा विकसित एस.ओ.पी. पर चर्चा हेतू कुलपतियों के साथ एक कार्यशाला की अध्यक्षता की।

- दिनांक 11 दिसम्बर, 2023 को राज-भवन, शिमला में विकसित भारत-2047 पर पैनल चर्चा प्रश्नोत्तरी के सम्बन्ध में विकसित भारत-2047 में योगदान के लिए युवाओं को शामिल करने के लिए भारत के माननीय प्रधानमन्त्री ने बातचीत कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 20 संकाय सदस्यों के साथ बैठक में भाग लिया।

- दिनांक 23 दिसम्बर, 2023 को विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा गीता जयन्ती के अवसर पर आयोजित "श्रीमद्भगवत गीता की वर्तमान में प्रस्तुति" विषय पर एक दिवसीय ऑनलाईन बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

- दिनांक 15 जनवरी से 24 जनवरी, 2024 तक श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई-दिल्ली के यू.जी.सी.-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण (**UGC - MMTTC**) के अन्तर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति ओरिएंटेशन और सेंसिटाईज़ेशन की बैठक में भाग लिया।

- दिनांक 19 जनवरी, 2024 को माननीय केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान की अध्यक्षता में "विकसित भारत" के तहत आयोजित बैठक में भाग लिया।

- दिनांक 23 जनवरी से 02 फरवरी, 2024 तक यू.जी.सी.-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 कार्यक्रम "सूचना और संचार प्रौद्योगिकी" के अन्तर्गत अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम में भाग लिया।

- दिनांक 08 फरवरी, 2024 को संकाय सदस्यों और छात्रों के लिए **SWAYAM** पाठ्यक्रम और अकादमिक ढांचे के भीतर **SWAYAM** पाठ्यक्रमों को मान्यता देने के लिए आवश्यक तंत्र के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करते हुए क्रेडिट हस्तांतरण के अवसरों को क्रमबद्ध करने के लिए बैठक में भाग लिया।

- दिनांक 11 फरवरी से 17 फरवरी, 2024 तक भारतीय विश्वविद्यालय संघ (**Association of Indian Universities, New Delhi**) द्वारा काठमांडू, नेपाल में माननीय प्रधानमन्त्री द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा-2047 के अन्तर्गत 98वें वार्षिक आमसभा और कुलपतियों के राष्ट्रीय सम्मेलन के तकनीकी सत्र और ए.आई.यू. के व्यवसायिक सत्र पर वार्ता कार्यक्रम में भाग लिया।

- दिनांक 12 फरवरी से 20 फरवरी, 2024 तक यू.जी.सी.-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण (**UGC - MMTTC**) द्वारा आयोजित कार्यक्रम "समग्र और बहु-विषयक शिक्षा कार्यक्रम" के अन्तर्गत आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 कार्यक्रम में भाग लिया।

- दिनांक 17 फरवरी, 2024 राशि मु0 100 करोड़ रूपये की वित्तीय ग्रान्ट राष्ट्रीय शिक्षा नीति-मेरू प्रोजेक्ट (**MERU Project**) के माध्यम से उच्चतर शिक्षा अभियान (पी.एम.-उषा) के अन्तर्गत केन्द्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला के पक्ष में स्वीकृत की है। इस राशि का उपयोग विश्वविद्यालय के आधारभूत संरचना एवम् शोध गतिविधियों को अधिक सुदृढ़ करने के लिए किया जाएगा।

- दिनांक 20 फरवरी, 2024 को इग्नू (**IGNOU**) के क्षेत्रीय केन्द्र, शिमला द्वारा आयोजित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के 37वें दीक्षांत समारोह कार्यक्रम में मुख्य-अतिथि के रूप में भाग लिया।

- ❖ दिनांक 20 फरवरी, 2024 को भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा बहु-अनुशासनात्मक शिक्षा और अनुसंधान प्रणाली के अन्तर्गत विश्वविद्यालयों के डिज़िटल लॉन्च और विश्वविद्यालयों को मज़बूत करने के लिए अनुदान के अन्तर्गत आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में भाग लिया।

- ❖ दिनांक 20 फरवरी, 2024 को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग की पत्रिका "ज्ञान सरोवर-2023-24" के द्वितीय संस्करण का विमोचन किया।

- ❖ दिनांक 22 फरवरी, 2024 को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय परिसर में स्थित "अध्यापक आवासीय परिसर" की ओर जाने वाले मार्ग का जीर्णोद्धार तथा नव-निर्मित गेट का उद्घाटन किया।

- ❖ दिनांक 04 मार्च 2024 को रूसा की परियोजना निगरानी इकाई (पीएमयू) वर्चुअल रूप में रूसा फंड के आवंटन, निकासी/पुनर्विनियोजन और निगरानी के संबंध में बैठक की अध्यक्षता की।

- ❖ दिनांक 07 मार्च 2024 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष आचार्य एम. जगदीश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ विचार-विमर्श में भाग लिया।

- ❖ दिनांक 08 मार्च 2024 को भारत सरकार के युवा मामलों के मंत्रालय के सहयोग से शिक्षा मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए 'मेरा पहला वोट देश के लिए" अभियान के संबंध में राज्य स्तरीय विश्वविद्यालयों के साथ ऑन-लाईन बैठक में भाग लिया।

- ❖ दिनांक 13 मार्च 2024 को टी.ई.पी.एल., गुजरात, टी.ई.पी.एल, असम तथा सी.जी.पी-ओ. एस.ए.टी, गुजरात में तीन सेमीकंडकटर सुविधाओं की स्थापना के लिए भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा रखी गई आधारशिला पर विश्वविद्यालय के समस्त विभागों में यूट्यूब पर लाईव स्ट्रीमिंग कार्यक्रम में भाग लिया।

- ❖ दिनांक 15 मार्च 2024 को विकसित भारत-2047 विज़न डॉक्यूमेंट तथा भारतीय विदेश व्यापार संस्थान की तैयारी के लिए बहुमूल्य सुझावमांगने के संबंध में उत्तरी क्षेत्र की बैठक कार्यक्रम में भाग लिया।

- ❖ दिनांक 19 मार्च 2024 को विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय शोध-प्रविधि कार्यशाला एवं संकाय संवर्धन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

- ❖ दिनांक 22 मार्च 2024 को हिमाचल प्रदेश लोक प्रशासन निदेशालय तथा हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम "अटल श्रेष्ठ शहर योजना" में भाग लिया।

- ❖ दिनांक 22 मार्च 2024 को भारतीय विदेश व्यापार संस्थान, न्यू-दिल्ली द्वारा विकसित भारत/2047 पर आयोजित ऑन-लाईन बैठक कार्यक्रम में भाग लिया।

- ❖ दिनांक 27 मार्च 2024 को भारतीय साईबर अपराध समन्वय केन्द्र, गृह मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा साईबर अपराध की रोकथाम में छात्रों के मध्य व्यापक जागरूक्ता को बढ़ावा देने के लिए उच्च शिक्षण संस्थानों में साईबर स्वच्छता पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।

- दिनांक 31 मई 2024 को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन और विकास केन्द्र द्वारा आयोजित महिला एचीवर्ज फंक्शन-2024 कार्यक्रम के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सुश्री कृष्णा ताशी पाल्मो तथा सुश्री मीरा को मोटर चालित व्हीलचेयर प्रदान की गई।

- दिनांक 07 जून 2024 को विश्वविद्यालय के आई.सी.डी.ई.ओ.एल. केन्द्र द्वारा विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर तथा डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में नए नामांकित छात्रों के लिए छात्र प्रेरण आयोजित ओ.डी.एल. माध्यम से संचालित कार्यक्रम में मुख्य-अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।

- दिनांक 28 से 29 जून 2024 तक इंडियाना यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिल्वेनिया (**Indiana Univesity of Pennsylvania**) के प्रतिनिधि मंडलों/सदस्यों के हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के दौरे के अवसर पर सुश्री कनिका चौधरी, भारत और यू.ए.ई.की विशेषदूत, पेनसिल्वेनिया राष्ट्रमण्डल, डॉ. कर्टशीब, अधिष्ठाता (कला एवम् मानविकी), डॉ. प्रशांत भारद्वाज, अन्तरिम अधिष्ठाता (व्यवसाय), डॉ. मिशेल पेट्रूची, एसोसिएट वाईस-प्रेज़िडेंट (अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा और वैश्विक जुड़ाव) के साथ विश्वविद्यालय के समिति कक्ष में आयोजित संयुक्त बैठक की अध्यक्षता की।

- दिनांक 08 जुलाई 2024 को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के जनसंख्या अनुसंधान केन्द्र (**Population Research Centre**) की तकनीकी सलाहकार समिति की वर्चुअल बैठक की अध्यक्षता की।

- दिनांक 29 जुलाई 2024 को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की संयुक्त समन्वय समिति (जे. सी.सी.) (**Joint Coordination Committee**) द्वारा प्रस्तुत 22 सूत्रीय मांग-पत्र पर संयुक्त समन्वय समिति के सदस्यों के साथ चर्चा पर आयोजित बैठक की अध्यक्षता की।

- दिनांक 29 जुलाई 2024 को पी.एम.ऊषा-मेरू घटक (**PM USHA-MERU Project**) की परियोजना निगरानी ईकाई (पी.एम.यू.) की वर्चुअल बैठक में भाग की।

- दिनांक 30 जुलाई 2024 को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण द्वारा विश्वविद्यालय के वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य-अतिथि के रूप में भाग लिया।

- दिनांक 07 अगस्त 2024 को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष, वरिष्ठ निजी सचिव तथा निजी सचिव की पदोन्नति के लिए आयोजित भर्ती एवम् पदोन्नति समिति (आर एंड पी.सी.) की वर्चुअल बैठक की अध्यक्षता की।

- दिनांक 08 अगस्त 2024 को पी.एम.ऊषा-मेरू घटक (**PM-USHA-MERU Project**) की परियोजना निगरानी ईकाई (पी.एम.यू.) के लिए डी.पी.आर. में संशोधन प्रस्तुत करने के संबंध में राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों के शैक्षणिक संस्थानों के अध्यक्षों के साथ आयोजित वर्चुअल बैठक में भाग लिया।

- दिनांक 09 अगस्त 2024 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा "राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रशिक्षण योजना" पर आयोजित "चेतना-व्याख्यान श्रृंखला" पर आयोजित ऑनलाईन कार्यशाला में वर्चुअल तौर पर भाग लिया।

- दिनांक 11 अगस्त 2024 को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग द्वारा सत्र 2024-26 के लिए बी.एड की दिनांक 12 अगस्त 2024 से 17 सितम्बर 2024 तक

आयोजित होने वाली ऑनलाईन कॉउंसलिंग प्रक्रिया प्रारम्भ करने के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता की।

❖ दिनांक 12 अगस्त 2024 को हिमाचल प्रदेश के माननीय राज्यपाल एवम् हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री शिव प्रताप शुक्ल जी की अध्यक्षता में आयोजित हिमाचल प्रदेश के सरकारीविश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ आयोजित बैठक में भाग लिया।

❖ दिनांक 13 अगस्त 2024 को सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई-दिल्ली की अध्यक्षता "एक पेड़ मां के नाम:Plant4Mother-विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस-2024" अभियान और प्रदर्शनी श्रृंखला कार्यशाला पर आधारित ऑनलाईन बैठक में वर्चुअल तौर पर भाग लिया।

❖ दिनांक 20 अगस्त 2024 को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग में पीएचडी कोर्स प्रारम्भ किए जाने के उद्देश्य से प्रति-कुलपति, अधिष्ठाता अध्ययन तथा निदेशक, विश्वविद्यालय सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के साथ बैठक की अध्यक्षता की।

❖ दिनांक 21 अगस्त 2024 को हिमाचल प्रदेश सचिवालय, शिमला में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की वित्त समिति की बैठक की अध्यक्षता की।

❖ दिनांक 23 अगस्त 2024 को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से सम्बन्धित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए विश्वविद्यालय के विभिन्न शैक्षणिक विभागों/संस्थानों से संबंधित अधिष्ठाताओं, विभागाध्यक्षों तथा निदेशकों के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता की।

❖ दिनांक 30 अगस्त 2024 को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित सात दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र पर "काव्यशास्त्र के विविध आयाम" विषय पर मुख्य-अतिथि के रूप पर ऑनलाईन तौर पर उपस्थित हुआ।

❖ दिनांक 31 अगस्त 2024 को भविष्य में वैज्ञानिक सहयोग और अनुसंधान के अवसरों पर चर्चा करने के लिए एम्स, बिलासपुर में आयोजित यूरोपीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के साथ इंटरैक्टिव सत्र में भाग लिया।

❖ दिनांक 02 सितम्बर 2024 को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र (UGC-MMTTC) द्वारा दिनांक 02 सितम्बर से 14 सितम्बर 2024 तक आयोजित द्वि-साप्ताहिक पुनश्चर्या विषय पर आधारित पारिस्थितिक एडवेंचर यात्राएं, स्वास्थ्य, आतिथ्य सत्कारएवम् सांस्कृतिक पर्यटन (आंतर/बहु-विषयक) **(Ecological Adventure Travel, Health, Hospitality & Cultural Tourism (Inter/Multi-disciplinary)** के उद्घाटन समारोह कार्यक्रम में बतौर मुख्य-अतिथि के तौर पर ऑनलाईन बैठक में भाग लिया।

❖ दिनांक 10 सितम्बर 2024 को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित किए गए पांचवें वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह (2023-2024) के दौरान अखिल भारतीय उत्तर क्षेत्रीय अंतर-विश्वविद्यालय खेल एवम् सांस्कृतिक गतिविधियों में खेलो इंडिया कार्यक्रम में मुख्य-अतिथि के रूप में भाग लिया।

❖ दिनांक 10 सितम्बर 2024 को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्यों के साथ हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय खेल एवम् सह-पाठ्चर्या गतिविधि परिषद् की 52वीं आम बैठक की अध्यक्षता की।

- दिनांक 11 सितम्बर 2024 कोहिमाचल प्रदेश सचिवालय, शिमला में सचिव (शिक्षा) हिमाचल प्रदेश सरकार के साथ हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के कार्यान्वयन के संबंध में आयोजित बैठक में भाग लिया।

- दिनांक 19 सितम्बर 2024 को भारत सरकार के इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग अन्तर्गत राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केन्द्र, नई-दिल्ली द्वारा पीएम-ऊषा प्रोजेक्ट्स के तहत आयोजित प्रगति की समीक्षा बैठक में वर्चुअल तौर पर भाग लिया।

- दिनांक 25 सितम्बर 2024 को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के अधिषासी अभियन्ता की पदोन्नति के लिए आयोजित भर्ती एवम् पदोन्नति समिति (आर एंड पी.सी.) की वर्चुअल बैठक की अध्यक्षता की।

- दिनांक 29 सितम्बर 2024 को ऑर्गेनाईज़ड वेदांत नॉलेज़ सिस्टम प्राईवेट लिमिटेड द्वारा परंपरा से (आई.के.एस) से कल (एनईपी-2020) विकसित भारत-2047 तक के लिए आयोजित बहु विषयक कार्याशाला/सम्मेलन में ऑनलाईन बैठक में भाग लिया।

- दिनांक 16 अक्तूबर 2024 को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के योजना एवम् विकास कार्यालय के द्वारा आयोजित पीएम-ऊषा **(PM-USHA-MERU Project)** परियोजना निगरानी ईकाई बैठक की वर्चुअल तौर पर अध्यक्षता की।

- दिनांक 21 अक्तूबर 2024 को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवता एवम् आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) द्वारा आयोजित "मान्यता की नई बाईनरी प्रणाली के लिए संस्थागत तैयारियों" की एक दिवसीय सेमीनार की अध्यक्षता की।

- दिनांक 25 अक्तूबर 2024 को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के विधि विभाग द्वारा आयोजित "क्रिमी-लेयर आरक्षण पर राष्ट्रीय युवा संसद-2024" कार्याशाला में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

- दिनांक 12 दिसम्बर 2024 को केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, शिमला के पदाधिकारियों के साथ पीएम-ऊषा **(MERU PM-USHA Project)** परियोजना निगरानी ईकाई के अन्तर्गत विश्वविद्यालय में किए जाने वाले निर्माणकार्यों के सन्दर्भ में बैठक की अध्यक्षता की।

- दिनांक 27 दिसम्बर 2024 को उच्च शिक्षा संस्थानों और विश्वविद्यालयों के सुलभ ऑडिट के संचालन के लिए तौर-तरिकों/मानदंडों को तैयार करने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विशेषज्ञों के साथ ऑन-लाईन बैठक में भाग लिया।

- दिनांक 09 जनवरी 2025 को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की संसाधन जुटाव समिति **(Resource Mobilization Committee)** की बैठक की अध्यक्षता की।

- दिनांक 23 जनवरी 2025 को माननीय मुख्यमन्त्री, हिमाचल प्रदेश श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू द्वारा हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के **"एकेडेमिक कैलेण्डर-2025 तथा टेबल कैलेण्डर"** के विमोचन अवसर पर उपस्थित।

- 31 जनवरी 2025 को प्राध्यापक, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय मॉडल स्कूल की भर्ती एवम् पदोन्नति समिति (स्कूल कैडर) की वर्चुअल बैठक की अध्यक्षता की।

अब मैं, विश्वविद्यालय के कुलसचिव से आग्रह करता हूँ कि आज के लिए प्रस्तावित मदों को विश्वविद्यालय कोर्ट के सम्मुख रखते हुए चर्चा तथा निर्णय हेतू प्रस्तुत करें।

मद सं0-1: विश्वविद्यालय कोर्ट की दिनांक 21.10.2023 को हुई 34वीं बैठक की कार्यवाही का पुष्टिकरण।

....

विश्वविद्यालय कोर्ट ने अपनी पिछली बैठक दिनांक 21-10-2023 को हुई बैठक में लिए गए निर्णयों का पुष्टिकरण किया।

मद सं0-2: विश्वविद्यालय कोर्ट की दिनांक 21.10.2023 को हुई 34वीं बैठक में लिए गए निर्णयों पर की गई कार्रवाई का विवरण।

....

विश्वविद्यालय कोर्ट ने दिनांक 21-10-2023 की बैठक में लिए गए निर्णयों पर की गई कार्रवाई को नोट कर अनुमोदित किया।

विश्वविद्यालय कोर्ट की दिनांक 21-10-2023 की बैठक में माननीय कुलाधिपति महोदय ने अपने सम्बोधन में विश्वविद्यालय कोर्ट की बैठक को वर्ष में दो बार आयोजित करने हेतु प्रस्ताव रखा था ताकि कोर्ट के सभी सम्मानीय सदस्य अपने सुझाव एवं दिशानिर्देश प्रस्तुत कर सकें जिस पर कुलपति महोदय ने माननीय कुलाधिपति महोदय को आश्वस्त किया कि विश्वविद्यालय कोर्ट की बैठक वर्ष में दो बार आयोजित की जाएगी जिसे माननीय कुलाधिपति महोदय ने अपनी सहमति प्रदान की।

मद सं0-3: हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय वर्ष 2018-2019 के वार्षिक लेखे तथा लेखा परीक्षा प्रतिवेदन को कार्यकारिणी परिषद् की बैठक दिनांक 28-09-2024 की मद संख्या-7 के अन्तर्गत अनुमोदित कर दिया गया है तथा हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के अधिनियम, 1970 (संशोधित) की धारा-29 के प्रावधानों के अनुरूप माननीय विश्वविद्यालय कोर्ट के समक्ष अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है।

....

निर्णयः **विश्वविद्यालय अधिनियम, 1970 (संशोधित) की धारा-29 के प्रावधानों के अनुरूप विश्वविद्यालय कोर्ट ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के वर्ष 2018-2019 के वार्षिक लेखे तथा लेखा परीक्षा प्रतिवेदन को अपनी स्वीकृति प्रदान की। माननीय कुलाधिपति जी ने पूर्व तीन वर्षों के वार्षिक लेखे तथा लेखा परीक्षा प्रतिवेदनों को प्रस्तुत न किए जाने पर कड़ा संज्ञान लिया तथा इस मामले का परीक्षण करने हेतु एक कमेटी गठित करने हेतु आदेश दिए और वित्ताधिकारी को भी यह निर्देश दिए कि विश्वविद्यालय के चार्टड एकाउन्टेन्ट के स्तर पर लम्बित प्रतिवेदनों का शीघ्रातिशीघ्र निपटारा कर पूर्व तीन वर्षों के वार्षिक लेखे तथा लेखा परीक्षा प्रतिवेदनों को विश्वविद्यालय कोर्ट की आगामी बैठक में प्रस्तुत किया जाए।**

मद सं0-4: विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा 20(2) 37 (1 व 2) के प्रावधान के अनुसार हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन 2021-2022 विचारार्थ व स्वीकृति हेतु प्रस्तुत।

....

निर्णयः विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा 20(2) 37(1 व 2) के प्रावधान के अनुसार विश्वविद्यालय कोर्ट ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के वर्ष 2021-2022 के वार्षिक प्रतिवेदन को अपनी स्वीकृति प्रदान की। सचिव, विश्वविद्यालय कोर्ट (कुलसचिव विश्वविद्यालय) ने कुलाधिपति महोदय के संज्ञान में यह लाया कि विश्वविद्यालय के वर्ष 2022-23 का वार्षिक प्रतिवेदन भी तैयार करवा लिया गया है, अन्ततः माननीय कुलाधिपति महोदय ने वर्ष 2022-2023 के वार्षिक प्रतिवेदन को भी अनुमोदित किया और आदेशित किया कि वर्ष 2022-2023 के वार्षिक प्रतिवेदन को कार्यकारिणी परिषद् की आगमी बैठक में अनुमोदनार्थ प्रस्तुत किया जाए।

अनुपूरक मदें

मद सं0-1: नशा निवारण पर चर्चा।

....

माननीय कुलाधिपति महोदय ने नशा निवारण पर चर्चा हेतु उपस्थित सभी सदस्यों को अपने विचार रखने एवम् सुझाव देने हेतु आमंत्रित किया जिस पर निम्नलिखित सदस्यों द्वारा अपने विचार एवम् सुझाव रखेः-
माननीय विधायक श्री केवल सिंह पठानिया ने मद पर चर्चा करते हुए यह सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय से सम्बद्ध सभी सरकारी और निजी महाविद्यालयों के प्राधानाचार्यों की एक कमेटी गठित की जानी चाहिए जोकि नशा मुक्ति हेतु जागरूकतापूर्ण गतिविधियों को बढ़ावा दे।

माननीय सदस्या डॉ. सीता ठाकुर जी ने कोर्ट सदस्यों के समक्ष नशाग्रस्त व्यक्तियों के कुछ लक्षण सांझा किया तथा सुझाव दिया कि महाविद्यालयों में विद्यार्थियों के प्रवेश के समय विद्यार्थी व उनके अविभावकों का नशा निवारण हेतु जागरूक किया जाना चाहिए तथा महाविद्यालयों में प्रवेश के समय शपथ-पत्र भी लिया जाना चाहिए।

माननीय विधायक श्री सुरेश कुमार जी ने भी इस कड़ी में अपना सुझाव देते हुए कहा कि नशा मुक्ति हेतु विश्वविद्यालय, महाविद्यालयों और स्कूलों में नशाग्रस्त विद्यार्थियों का पता लगाने हेतु Urine Test को आवश्यक किया जाना चाहिए ताकि ऐसे नशाग्रस्त विद्यार्थियों का प्रारम्भ में ही पता लगाया जा सके तथा उनका चिकित्सा उपचार समय रहते किया जा सके व उनको नशे से मुक्ति दिलाई जा सके।

नशा मुक्ति के सम्बन्ध में माननीय प्रति कुलपति महोदय ने सदस्यों को अवगत करवाया कि विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों में पहले से ही नशा मुक्ति हेतु अभियान चलाया जा रहा है तथा अनुशासन समितियाँ (Diciplinary Committees) गठित की गई हैं। माननीय प्रति कुलपति

महोदय द्वारा यह भी अवगत करवाया गया कि विश्वविद्यालय परिसर में बने अवैध ढाबों पर अनुशासनात्मक/ कानूनी कार्रवाई करते हुए हटा दिया गया है।

शिक्षा निदेशक के नामिति सदस्य डॉ. विद्या सागर शर्मा, संयुक्त निदेशक ने कोर्ट सदस्यों के संज्ञान में लाया कि इस संदर्भ में निदेशालय द्वारा अपने स्तर पर प्रदेश के सभी जिलों के उप-निदेशकों के साथ समय-समय पर बैठकों का आयोजन किया जा रहा है जिसमें विद्यार्थियों की NSS, NCC, Scouts, Sports और Cultural activities में भागीदारी को बढाने पर बल दिया जाता है ।

माननीय सदस्य आचार्य देशराज ठाकुर जी ने कोर्ट सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया कि नशा निवारण हेतु स्थानीय लोगों की सहभागिता का होना भी अत्यन्त आवश्यक है और साथ ही साथ उन्होंने भी विद्यार्थियों की खेलकूद इत्यादि गतिविधियों में सहभागिता को प्रोत्साहित किए जाने पर बल दिया।

इसी कड़ी में माननीय कुलपति महोदय द्वारा नशा मुक्ति अभियान को सुचारू रूप से लागू करने के लिए विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों में कार्यरत् प्रत्येक प्राध्यापक/अध्यापक को अपने संरक्षण में लगभग 15 विद्यार्थियों को नशा मुक्ति हेतु प्रोत्साहित करने हेतु सुझाव दिया।

<u>मद सं0-2:</u> राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन पर चर्चा।

....

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन पर चर्चा के दौरान सर्वप्रथम माननीय कुलपति महोदय ने समस्त विश्वविद्यालय कोर्ट सदस्यों को अवगत करवाया कि विश्वविद्यालय ने अपने स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 से सम्बन्धित सभी अधिसूचनाओं को लागू कर दिया है इसके साथ-साथ अध्यक्ष, पुरात्तव एवं प्राचीन इतिहास एवम् अधिष्ठाता अध्ययन आचार्य बालकृष्ण शिवराम जी ने कोर्ट सदस्यों को विशेष तौर अवगत करवाया कि केन्द्र सरकार ने मेरू-रूसा (MERU-RUSA) के तहत राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को प्रदेशभर में प्रोत्साहित करने हेतु 100 करोड़ रूपये की अनुदान राशी आवंटित की है। माननीय कुलपति महोदय ने कुलाधिपति महोदय को आश्वस्त किया कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को इसी सत्र से चरणबद्ध तरीके से लागू करने हेतु प्रयासरत रहेगा, साथ-साथ उन्होंने सदस्यों को अवगत करवाया कि प्रदेश के सभी महाविद्यालयों से NAD+ABC प्रणाली को लागू करने हेतु पूर्ण सहयोग मिल रहा है। इसी कड़ी में अध्यक्ष, पुरात्तव एवं प्राचीन इतिहास एवम् अधिष्ठाता अध्ययन आचार्य बालकृष्ण शिवराम जी ने सदस्यों को अवगत करवाया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को पूर्ण रूप से लागू करने हेतु प्रदेश के सभी महाविद्यालयों के साथ समय-समय पर बैठकें आयोजित की जा रही है और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) द्वारा जारी सभी अधिसूचनाओं को विश्वविद्यालय ने अपने स्तर पर लागू कर दिया है और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अन्तर्गत प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम का प्रारूप

भी तैयार कर लिया गया है जिसे समेस्टर प्रणाली में परिवर्तित करने हेतु मामला प्रक्रियाधीन है। आचार्य देशराज ठाकुर माननीय सदस्य ने कुलाधिपति को अवगत करवाया कि National Institute of Educational Planning and Administration (NIEPA) ने यह प्रस्ताव रखा है कि यदि विश्वविद्यालय इस मुद्दे को अपने स्तर पर लागू करता है तो NIEPA वित्तिय सहायता करने के लिए प्रयासरत है। अन्त में कुलपति महोदय ने माननीय कुलाधिपति महोदय को आश्वस्त किया कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को इसी सत्र से लागू करने हेतु प्रयासरत् रहेगा।

माननीय कुलाधिपति महोदय ने विश्वविद्यालय कोर्ट की बैठक में उपस्थित सदस्यों का अभिनन्दन एवं स्वागत किया तथा अपने सम्बोधन में कहा कि:-

आज हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला की कोर्ट बैठक में आपके बीच उपस्थित होकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। यह विश्वविद्यालय न केवल हिमाचल प्रदेश बल्कि पूरे देश के लिए उच्च शिक्षा, शोध और नवाचार का एक महत्वपूर्ण केन्द्र है। इसके गौरवपूर्ण इतिहास, शिक्षण परम्परा और शौध की उत्कृष्टता को देखते हुए, मैं आप सभी को बधाई देता हूँ।

एक राज्यपाल और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति के रूप में, मैं शिक्षा जगत के उत्थान और युवाओं के उज्जवल भविष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता हूँ।

भारत के उच्चतर शिक्षा परिदृश्य में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला का एक विशिष्ट स्थान है। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय कोर्ट की इस महत्वपूर्ण बैठक में आज हम इसलिए भी एकत्रित हुए हैं कि कोर्ट की पिछली बैठक के निर्णयों पर हुए अमल का लेखा-जोखा लिया जा सके। यह हम सब का सामूहिक दायित्व है कि यह विश्वविद्यालय देश के आदर्श शिक्षण संस्थान के रूप में पुनर्प्रतिष्ठापित हो। इसके लिए विश्वविद्यालय की आकादमिक एवं अनुसंधान गतिविधियों को और बेहतर तरीके से चलाने के लिए निरन्तर प्रयासरत रहने की आवश्यकता है। विश्वविद्यालय कोर्ट, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय अधिनियम, 1970 में निहित प्रावधानों के अन्तर्गत विश्वविद्यालय का सर्वोच्च संवैधानिक निकाय है। अधिनियम में विश्वविद्यालय कोर्ट का मुख्य दायित्व विश्वविद्यालय की व्यापक नीतियों एवम् कार्यक्रमों का समय-समय पर निर्धारण करना है तथा ऐसे मापदण्ड एवं सुझाव विश्वविद्यालय को देना जिससे विश्वविद्यालय का विकास तथा सुधार सुनिश्चित किया जा सके। विश्वविद्यालय के वार्षिक प्रतिवेदन तथा वार्षिक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन का विश्वविद्यालय कोर्ट में अनुमोदन किया जाता है, जोकि हिमाचल प्रदेश विधान सभा में प्रस्तुत होते हैं। इन वार्षिक प्रतिवेदनों पर सदस्यों के सुझाव एवम् दिशा-निर्देश, विश्वविद्यालय की व्यापक नीति निर्धारण एवम् सुधार प्रक्रिया में विशेष योगदान देते हैं। विश्वविद्यालय की सर्वोच्च संवैधानिक निकाय

के सदस्य होने के नाते आप सबसे विश्वविद्यालय के उतरोत्तर विकास एवम् सुधार के लिए सुझाव अत्यंत लाभकारी सिद्ध होंगे, ऐसा मुझे पूर्ण विश्वास है।

मैं कुछ ऐसे मुख्य बिन्दुओं पर प्रकाश डालना चाहता हूँ, जो विश्वविद्यालय की प्रगति और हमारे समाज के निर्माण में सहायक सिद्ध हो सकते हैं।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नवाचारः

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय को शिक्षा की गुणवत्ता और अनुसंधान के स्तर को और अधिक सशक्त बनाना होगा। हमें ऐसे पाठ्यक्रम विकसित करने चाहिऐ जो न केवल सैद्धांतिक ज्ञान दें, बल्कि व्यावहारिक कौशल और नवाचार को भी प्रोत्साहित करें।

रोजगारपरक शिक्षा और उद्यमिताः

हिमाचल प्रदेश में रोजगार की चुनौतियों को देखते हुए, विश्वविद्यालय को रोजगारपरक शिक्षा और स्टार्टअप संस्कृति को बढावा देना चाहिए। हमें ऐसे पाठ्यक्रम और कौशल विकास कार्यक्रम शुरू करने होंगे जो हमारे युवाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता के लिए प्रेरित करें। इन्क्यूबेशन सेंटर, इंडस्ट्री-एकेडेमियाँ साझेदारी और इंटर्नशिप कार्यक्रमों के माध्यम से हमारे विद्यार्थी अधिक आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

पर्यावरण संरक्षण और सतत विकासः

हिमाचल प्रदेश अपनी प्राकृतिक सुन्दरता और पर्यावरणीय सम्पदा के लिए प्रसिद्ध है। विश्वविद्यालय को पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास पर विशेष ध्यान देना चाहिए। जल संरक्षण, अपशिष्ट प्रबन्धन और कार्बन फुटप्रिन्ट घटाने जैसे क्षेत्रों में शोध और जागरूकता कार्यक्रम आवश्यक हैं। हमें अपने विद्यार्थियों को पर्यावरणीय चेतना से प्रेरित करना होगा ताकि वे आने वाले समय में हरित हिमाचल, स्वच्छ हिमाचल के सपने को साकार कर सकें।

डिजिटल शिक्षा और तकनीकी सशक्तिकरणः

डिजिटल युग में शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। विश्वविद्यालय को ऑनलाइन शिक्षा, वर्चुअल कक्षाएं और डिजिटल पुस्कालय जैसे संसाधनों को सुदृढ़ करना चाहिए। ई-लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्लाउड कम्पयूटिंग के माध्यम से शिक्षण को और अधिक सुलभ और प्रभावी बनाया जा सकता है। साथ ही, साइबर सुरक्षा और डेटा गोपनीयता पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। वर्तमान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साईंस, साईबर सुरक्षा और हरित प्रोद्योगीकी जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता अनिवार्य हो रही है। विश्वविद्यालय को इन क्षेत्रों में अनुसंधान एवम् विकास को बढावा देना चाहिए।

नैतिक शिक्षा और भारतीय संस्कृतिः

केवल तकनीकि और प्रबंधन शिक्षा ही नहीं, बल्कि नैतिक शिक्षा और भारतीय जीवन मूल्य भी हमारे शिक्षण का अभिन्न अंग होने चाहिए। विद्यार्थियों में चरित्र निर्माण, देशप्रेम और समाज सेवा की भावना जागृत करना अत्यंत आवश्यक है। हमें अपनी प्राचीन शिक्षा परम्परा को आधुनिक संदर्भ में पुनः स्थापित करने की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे।

नशामुक्त हिमाचलः युवाओं को बचाने का संकल्पः

यह अत्यंत चिंता का विषय है कि आज नशे की लत हमारे युवाओं के बीच तेजी से फैल रही है, जो उनकी प्रतिभा और भविष्य को अंधकार में धकेल रही है। नशामुक्त हिमाचल का हमारा संकल्प तभी साकार होगा जब हमारे विश्वविद्यालय इस दिशा में प्रभावी जागरूकता अभियान चलाएँ। हमे विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना होगा और साथ ही काउंसलिंग, खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना होगा।

मैं सभी प्राध्यापकों और विद्यार्थियों से अपील करता हूँ कि वे नशामुक्त हिमाचल के इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएँ। हर संकाय में नशा विरोधी समितियों का गठन और व्याख्यानों, वर्कशॉप और स्वयंसेवी अभियानों के माध्यम से इस समस्या से निपटने के प्रयास किए जाने चाहिए। याद रखें, यदि युवा स्वस्थ और जागरूक होंगे, तो हिमाचल का भविष्य उज्ज्वल होगा।

अनुसंधान और नवोन्मेषः

अत्याधुनिक शोध सुविधाएँ और उद्योग-संस्थान सहयोग के माध्यम से विश्वविद्यालय को अनुसंधान के क्षेत्र में अपनी पहचान और मजबूत करनी चाहिए। अनुसंधान केवल विज्ञान और प्रौद्योगिकी तक सीमित नही होना चाहिए, बल्कि सामाजिक विज्ञान, पर्यावरण अध्ययन और मानविकी जैसे क्षेत्रों में भी नवाचार आवश्यक है। विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय शोध अनुदान प्राप्त करने की दिशा में प्रयासरत रहना चाहिए।

खेल और शारीरिक शिक्षाः

शारीरिक शिक्षा और खेल, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय को खेल सुविधाओं का विस्तार और अन्तर-विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में भागीदारी को प्रोत्साहित करना चाहिए। खेल, केवल शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि टीम वर्क, अनुशासन और नेतृत्व जैसे गुण भी सिखाते हैं।

समापनः हमारे संकल्प और अपेक्षाएँ:

अंत में, मैं सभी सदस्यों, शिक्षकों और विश्वविद्यालय प्रशासन से यह आग्रह करता हूँ कि वे समर्पण, अनुशासन और नवाचार की भावना के साथ कार्य करें। हमारी शिक्षा प्रणाली का लक्ष्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि ऐसे नागरिक तैयार करना होना चाहिए जो समाज और राष्ट्र की सेवा कर सकें। हमें शिक्षा के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करना है।

इन्हीं शब्दों के साथ, मैं आपको इस बैठक की सफलता और विश्वविद्यालय के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देता हूँ।

जय हिन्द! जय हिमाचल!

सदस्य—सचिव
कुलसचिव हि०प्र०विश्वविद्यालय

सत्यापित

(आचार्य सत प्रकाश बंसल)
कुलपति, हि०प्र०विश्वविद्यालय

प्रतिहस्ताक्षर

(श्री शिव प्रताप शुक्ल)
कुलाधिपति / सभापति